

वर्कशॉप में छात्रों ने सीखा, रंगमंच कैसे बन सकता है सामाजिक पत्रकारिता का जरिया

■ थिएटर ऐज सोशल जर्नलिज्म विषय पर वर्कशॉप में छात्रों ने नाटक से उठाए भ्रष्टाचार और साइबर फ्रॉड के मुद्दे

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। चंडीगढ़ खबर सिर्फ अखबार के पन्नों या टीवी स्क्रीन तक सीमित नहीं है। रंगमंच भी समाज की समस्याओं को सामने लाने और लोगों को जागरूक करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। इसी सोच के साथ गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत ह्याथिएटर ऐज सोशल जर्नलिज्म विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने अभिनय और नाटक के जरिये सामाजिक सरोकारों को प्रभावी ढंग से सामने रखा।

थिएटर कलाकार, लेखक एवं निर्देशक और पंजाब यूनिवर्सिटी के थिएटर विभाग के पूर्व छात्र विनोद भारती ने छात्रों को रंगमंच की बारीकियों से रूबरू कराया। उन्होंने नाट्यशास्त्र, रस सिद्धांत, भाव, अभिनय और भारतीय रंगमंच की परंपराओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भाव और रस के मेल से कलाकार दर्शकों तक अपनी बात को किस तरह



अधिक प्रभावशाली ढंग से पहुंचा सकता है। वर्कशॉप केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं रही। छात्रों से कई थिएटर एक्सरसाइज और व्यावहारिक गतिविधियां कराई गईं। इनमें मानसिक तनाव से राहत, धैर्य, भावनात्मक नियंत्रण, अभिनय और इम्प्रोवाइजेशन से जुड़े अभ्यास शामिल रहे। छात्रों ने शरीर की भाषा, आवाज, भावनाओं और सहज अभिव्यक्ति के जरिये संवाद को प्रभावी बनाने के गुर सीखे।

वर्कशॉप का सबसे खास हिस्सा छात्रों की प्रस्तुतियां रहीं। बी.वॉक मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और बीए जर्नलिज्म के छात्रों ने सिस्टम में भ्रष्टाचार और साइबर फ्रॉड विषयों पर दो लघु नाटक प्रस्तुत किए। नाटकों के माध्यम से छात्रों ने सामाजिक

समस्याओं को कहानी और अभिनय के जरिये दर्शकों के सामने रखा। इससे उन्हें सामाजिक मुद्दों को रचनात्मक तरीके से उठाने और रंगमंच को पत्रकारिता के प्रभावी माध्यम के तौर पर समझने का अवसर मिला। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे ले जाकर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि कार्यशाला से छात्रों को यह समझने का अवसर मिला कि संचार केवल पारंपरिक मीडिया प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि रंगमंच भी सामाजिक जागरूकता और जनसंवाद का सशक्त माध्यम है।

अमर उजाला 6/10/26

सामाजिक मुद्दों को उठाना सीख रहे विद्यार्थी

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित एसडी कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने 'थिएटर ऐज सोशल जर्नलिज्म' विषय पर वर्कशॉप कराई। थिएटर कलाकार व निर्देशक विनोद भारती ने विद्यार्थियों को अभिनय, भाव, आवाज और बॉडी लैंग्वेज की जानकारी दी। बीवॉक मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और बीए जर्नलिज्म के विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार व साइबर फ्रॉड पर लघु नाटक प्रस्तुत किए। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऐसी गतिविधियां व्यावहारिक अनुभव देती हैं। ब्यूरो

अर्थ प्रकाश 6/10/26

वर्कशॉप में छात्रों ने सीखा, रंगमंच कैसे बन सकता है सामाजिक पत्रकारिता का जरिया

एसडी कॉलेज में 'थिएटर ऐज सोशल जर्नलिज्म' विषय पर वर्कशॉप आयोजित

अर्थ प्रकाश संवाददाता



चंडीगढ़। खबर सिर्फ अखबार के पत्रों या टीवी स्क्रीन तक सीमित नहीं है। रंगमंच भी समाज की समस्याओं को सामने लाने और लोगों को जागरूक करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। इसी सोच के साथ गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत 'थिएटर ऐज सोशल जर्नलिज्म' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने अभिनय और नाटक के जरिये सामाजिक सरोकारों को प्रभावी ढंग से सामने रखा।

थिएटर कलाकार, लेखक एवं निर्देशक और पंजाब यूनिवर्सिटी के थिएटर विभाग के पूर्व छात्र विनोद भारती ने छात्रों को रंगमंच की

बारीकियों से रूबरू कराया। उन्होंने नाट्यशास्त्र, रस सिद्धांत, भाव, अभिनय और भारतीय रंगमंच की परंपराओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भाव और रस के मेल से कलाकार दर्शकों तक अपनी बात को किस तरह अधिक प्रभावशाली ढंग से पहुंचा सकता है।

वर्कशॉप का सबसे खास हिस्सा छात्रों की प्रस्तुतियां रहीं। बी.वॉक मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और बीए जर्नलिज्म के छात्रों ने 'सिस्टम में भ्रष्टाचार' और 'साइबर फॉड' विषयों पर दो लघु नाटक प्रस्तुत किए। नाटकों के माध्यम से छात्रों ने सामाजिक समस्याओं को कहानी और अभिनय के जरिये दर्शकों के

सामने रखा। इससे उन्हें सामाजिक मुद्दों को रचनात्मक तरीके से उठाने और रंगमंच को पत्रकारिता के प्रभावी माध्यम के तौर पर समझने का अवसर मिला। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे ले जाकर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि कार्यशाला से छात्रों को यह समझने का अवसर मिला कि संचार केवल पारंपरिक मीडिया प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि रंगमंच भी सामाजिक जागरूकता और जनसंवाद का सशक्त माध्यम है।

दैनिक खेरा 6/10/26

सार संक्षेप

वर्कशॉप में छात्रों ने सीखा, रंगमंच कैसे बन सकता है सामाजिक पत्रकारिता का जरिया



वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाले छात्र।

सवेरा न्यूज/नीना चंडीगढ़, 5 अक्टूबर: खबर सिर्फ अखबार के पन्नों या टीवी स्क्रीन तक सीमित नहीं है। रंगमंच भी समाज की समस्याओं को सामने लाने और लोगों को जागरूक करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। इसी सोच के साथ जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत 'थिएटर ऐज सोशल जर्नलिज्म' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने अभिनय और नाटक के जरिये सामाजिक सरोकारों को प्रभावी ढंग से सामने रखा। थिएटर कलाकार, लेखक एवं निर्देशक और पंजाब यूनिवर्सिटी के थिएटर विभाग के पूर्व छात्र विनोद भारती ने छात्रों को रंगमंच की बारीकियों से रूबरू कराया। बी.वॉक मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और बीए जर्नलिज्म के छात्रों ने 'सिस्टम में भ्रष्टाचार' और 'साइबर फ्रॉड' विषयों पर दो लघु नाटक प्रस्तुत किए। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे ले जाकर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि कार्यशाला से छात्रों को यह समझने का अवसर मिला कि संचार केवल पारंपरिक मीडिया प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि रंगमंच भी सामाजिक जागरूकता और जनसंवाद का सशक्त माध्यम है।

दिप हिमाचल 6/10/26

एसडी कालेज में सोशल जर्नलिज्म वर्कशॉप



चंडीगढ़। कार्यशाला में शामिल एसडी कालेज के छात्र

चंडीगढ़। खबर सिर्फ अखबार के पन्नों या टीवी स्क्रीन तक सीमित नहीं है। रंगमंच भी समाज की समस्याओं को सामने लाने और लोगों को जागरूक करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। इसी सोच के साथ गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज सेक्टर-32 के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से पीएम उषा योजना के तहत थियेटर ऐज सोशल जर्नलिज्म विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने अभिनय और नाटक के जरिये सामाजिक सरोकारों को प्रभावी ढंग से सामने रखा। थियेटर कलाकार, लेखक एवं निर्देशक और पंजाब यूनिवर्सिटी के थियेटर विभाग के पूर्व छात्र विनोद भारती ने छात्रों को रंगमंच की बारीकियों से रू-ब-रू कराया। उन्होंने नाट्यशास्त्र, रस सिद्धांत, भाव, अभिनय और भारतीय रंगमंच की परंपराओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भाव और रस के मेल से कलाकार दर्शकों तक अपनी बात को किस तरह अधिक प्रभावशाली ढंग से पहुंचा सकता है। वर्कशॉप केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं रही

पंजाब कैसरी 6/10/26

‘थिएटर ऐज सोशल जर्नलिज्म’ वर्कशॉप में छात्रों ने सीखे अभिनय और प्रभावी संवाद के गुर रंगमंच से छात्रों ने उठाए भ्रष्टाचार और साइबर फ्रॉड के मुद्दे

चंडीगढ़, 5 अक्टूबर (आशीष): खबर सिर्फ अखबार के पन्नों या टीवी स्क्रीन तक सीमित नहीं है। रंगमंच भी समाज की समस्याओं को सामने लाने और लोगों को जागरूक करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। इसी सोच के साथ सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत थिएटर ऐज सोशल जर्नलिज्म विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने अभिनय और नाटक के जरिये सामाजिक सरोकारों को प्रभावी ढंग से सामने रखा।

थिएटर कलाकार, लेखक एवं निर्देशक और पंजाब यूनिवर्सिटी के थिएटर विभाग के पूर्व छात्र विनोद भारती ने छात्रों को रंगमंच की बारीकियों से रूबरू कराया। उन्होंने नाट्यशास्त्र, रस सिद्धांत, भाव, अभिनय और भारतीय रंगमंच की परंपराओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भाव और रस के मेल से कलाकार दर्शकों तक अपनी बात को किस तरह अधिक प्रभावशाली ढंग से पहुंचा सकता है।

वर्कशॉप केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं रही। छात्रों से कई थिएटर एक्सरसाइज और व्यावहारिक गतिविधियां कराई गईं। इनमें मानसिक तनाव से राहत, धैर्य, भावनात्मक नियंत्रण, अभिनय और इम्प्रोवाइजेशन से जुड़े अभ्यास शामिल रहे।



कॉलेज में आयोजित वर्कशॉप में मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए संस्थान के सदस्य। परमजीत

नाटक के मंच से भ्रष्टाचार और साइबर फ्रॉड पर संदेश

बी.वॉक मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और बी.ए. जर्नलिज्म के छात्रों ने सिस्टम में भ्रष्टाचार और साइबर फ्रॉड जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर दो लघु नाटक प्रस्तुत किए। छात्रों ने कहानी, अभिनय और संवाद के जरिये इन समस्याओं को दर्शकों के सामने रखा। प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को रचनात्मक तरीके से उठाने और रंगमंच को पत्रकारिता एवं जनजागरूकता के प्रभावी माध्यम के तौर पर इस्तेमाल करने का संदेश दिया गया। वर्कशॉप का सबसे खास हिस्सा छात्रों की प्रस्तुतियां रहीं। नाटकों के माध्यम से छात्रों ने सामाजिक समस्याओं को कहानी और

अभिनय के जरिये दर्शकों के सामने रखा। इससे उन्हें सामाजिक मुद्दों को रचनात्मक तरीके से उठाने और रंगमंच को पत्रकारिता के प्रभावी माध्यम के तौर पर समझने का अवसर मिला। प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे ले जाकर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि कार्यशाला से छात्रों को यह समझने का अवसर मिला कि संचार केवल पारंपरिक मीडिया प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि रंगमंच भी सामाजिक जागरूकता और जनसंवाद का सशक्त माध्यम है।